कम बारिश से घट सकती है खरीफ फसलों की पैदावार

प्याज, कपास, गन्ना और तिलहन के उत्पादन में गिरावट की आशंका

[जयश्री भोसले | पुणे]

महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों सहित देश के कई हिस्सों में कम बारिश से प्याज, कपास, गन्ना और तिलहन जैसी प्रमुख खरीफ फसलों के उत्पादन में गिरावट आ सकती है। पिछले हफ्ते प्याज की कीमत दोगुनी हो गई। इस सीजन में कपास, सोयाबीन और मूंगफली की पैदावार कम रह सकती है। इस साल महाराष्ट्र के कुछ गांवों को पेयजल की समस्या से भी जूझना पड़ेगा। वहीं, दूसरी तरफ कम पैदावार की आशंका और लागत बढ़ने के बावजूद कमोडिटी के दाम निचले स्तर पर बने हुए हैं। इससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है।

महाराष्ट्र में एक हफ्ते में प्याज की थोक कीमत डबल हो गई। इसी दौरान दिल्ली में भी प्याज के दाम बढ़े हैं। कई शहरों में इसका रिटेल प्राइस 30 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। जलगांव गिनिंग एंड प्रेसिंग एसोसिएशन के प्रेसिडेंट प्रदीप जैन ने बताया, 'जिन क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा नहीं है, वहां कपास उत्पादन में कमी आएगी। कच्चे कपास का दाम बढ़कर 5,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। हालांकि, किसानों ने अभी अपनी फसल रोक रखी है क्योंकि उन्हें दाम और चढ़ने की उम्मीद है।'

- **इस साल** महाराष्ट्र के कुछ गांवों को पेयजल की समस्या से भी जूझना पड़ेगा
- **कम पैदावार** की आशंका और लागत बढ़ने के बावजूद कमोडिटी के दाम निचले स्तर पर बने हुए हैं, इससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है
- **कई शहरों** में प्याज का रिटेल प्राइस 30 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है
- **जिन क्षेत्रों** में सिंचाई की सुविधा नहीं है, वहां कपास उत्पादन में कमी आएगी, कच्चे कपास का दाम बढ़कर 5,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुमान के मुताबिक, इस साल देश में मूंगफली का उत्पादन 37.35 लाख टन रहेगा, जो पिछले साल 52.75 लाख टन था। इसमें करीब 29 पर्सेंट की कमी आने की आशंका है। एसईए के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर बी वी मेहता ने बताया, 'सौराष्ट्र में कम बारिश से मूंगफली की पैदावार में कमी आएगी। हालांकि, नेफेड के पास इसका 6 लाख टन का स्टॉक है।' गुजरात में मूंगफली के उत्पादन में 49 पर्सेंट की गिरावट आने की संभावना है। एडिबल ऑयल इंडस्ट्री का अभी भी मानना है कि मौजूदा सत्र में सोयाबीन उत्पादन पिछले साल से ज्यादा रहेगा। हालांकि, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में किसानों को सूखे के चलते से प्रॉडक्शन में भारी गिरावट का डर है। राज्य में कम बारिश से गन्ने का उत्पादन भी कम रहने की आशंका है। इंडस्ट्री और सरकार ने अपने पिछले 105 लाख टन उत्पादन के अग्रिम अनुमान को कम करके अब 95 लाख टन कर दिया है।

तगन्ने का पहले ही पशुओं के लिए चारे के रूप में इस्तेमाल हो रहा है क्योंकि सूखे की वजह से चारे की भी कमी हो गई है। भूजल स्तर भी तेजी से कम हो रहा है क्योंकि अगस्त-सितंबर में कम बारिश से किसान खरीफ फसलों की सिंचाई के लिए ज्यादा पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं। जीएसडीए के अतिरिक्त निदेशक आई आई शाह ने कहा, 'हमने फील्ड विजिट के दौरान देखा कि कि किसान सूखे के चलते कुओं से ज्यादा पानी निकाल रहे हैं।'

Economic Times

23/10/18